



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 51] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 31, 1981/माघ 11, 1902

No. 51] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 31, 1981/MAGHA 11, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

विस मंत्रालय
(राजस्व विभाग)
केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड
भवित्वात्तमा
नई दिल्ली, 31 जनवरी, 1981
होटल आमदानी कर
होटल आमदानी कर विभाग, 1981

का०आ० 81(अ) —केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, होटल आमदानी
भवित्वात्तमा, 1980 (1980 का 54) की धारा 24 द्वारा प्रदत्त एकत्रियों
वा प्रयोग करने द्वारा निम्नलिखित विभाग बनाया है, प्रथम् —

1 मक्षित्र नाम और प्रारम्भ — (1) इन विभागों का मक्षित्र नाम होटल
आमदानी कर विभाग, 1981 है।

(2) ये 1 फरवरी, 1981 को प्रवृत्त होंग।

2 परिभाषा— (1) इन विभागों में जब तक कि मरम्भ से प्रत्यया
प्रमेक्षित न हो, 'भवित्वात्तमा' में होटल आमदानी कर भवित्वात्तमा, 1980
(1980 का 54) प्रमित है।

(2) इन विभागों में 'प्रस्तोता' के प्रति गमा निर्देशों का अवर्तन्यत
इस के परिणाम भ में अधिकारित प्रस्तोता के प्रति निर्देशों में किया
जाएगा।

3 मयुक्त प्रभार के मामले में तारा प्रभार का अवधारण—प्रधि-
त्वात्तमा की धारा 3 की उपधारा (2) के प्रयोगनों के लिए, उन मामलों
में जहां विभास की जगह और व्याय की वायन मयुक्त प्रभार सदैर है,
वहां उसमें सम्मिलित करमा प्रभार का अवधारण मयुक्त प्रभार में
व्याय प्रभार की निम्नलिखित वीपि में कठोरी करके किया जाएगा।
प्रथम् —

(1) जहां मयुक्त प्रभार में नाश्ता सम्मिलित है सम्मिलित प्रभार का दस प्रतिशत

(2) जहां मयुक्त प्रभार में नाश्ता और मयुक्त प्रभार का आंकड़ीम प्रतिशत
एक बार भोजन के लिए प्रभार सम्मिलित है।

(3) जहां मयुक्त प्रभार में नाश्ता और दो बार के भोजन के लिए प्रभार मयुक्त प्रभार का आंकड़ीम प्रतिशत
सम्मिलित है।

4 भारतीय करेंसी में प्राप्त प्रभार का विदेशी मूदा में प्राप्त किया
गया ममका जाना—धारा 5 की उपधारा (1) का अवधारण व व्याय

(क) के प्रयोजनों के लिए, नीचे उल्लिखित मामलों और परिस्थितियों में, भारतीय करेसी में प्राप्त उन प्रभारों से, जो विदेशी मुद्रा का भागीय करेसी से सपरिचितन करके अभिप्राप्त किए गए हैं, यह समझा जाएगा कि वे विदेशी मुद्रा में प्राप्त विदेशी गण हैं—

(।) जहां किसी होटल की प्रभार्य आमदनी की बावत मदाय, किसी विदेशी पर्यटक या विदेशी पर्यटक मुद्रा की ओर से किसी यात्रा अधिकारी द्वारा किसी प्राधिकृत व्योहारी के माध्यम से भारत में लाई गई विदेशी मुद्रा के सपरिचितन में अभिप्राप्त भारतीय करेसी द्वारा किया गया है,

(।।) जहां विदेशी होटल की प्रभार्य आमदनी का मदाय, किसी विदेशी पर्यटक या विदेशी पर्यटक मुद्रा की ओर से किसी एयरलाइन द्वारा खण्ड (।) में निर्दिष्ट—रीति से किया गया है।

परन्तु यह तब जब नियम के प्रयोजन के लिए,—

(।।।) “एयरलाइन” और “यात्रा अधिकारी” में ऐसी एयर लाइन या यात्रा अधिकारी अधिनियम है जो भारतीय रिंजडे बैंक द्वारा विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1973 (1973 का 46) की धारा 32 के अधीन अनुदान विधिमान्य अनुशासन भारत करता है।

(।।।।) “प्राधिकृत व्याहारी” का वही गण है जो विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1973 (1973 का 46) की धारा 2 के खण्ड (ब) में उल्लक्षित है।

5 धारा 8 के प्रधीन प्रभार्य आमदनी की विवरणी का प्रलूप—अधिनियम की धारा 8 की उपधारा (।) या उपधारा (2) के अधीन अपेक्षित प्रभार्य आमदनी की विवरणी प्रलूप संख्यांक 2 में होगी और उसमें उपदर्शित रीति में सत्यापित की जाएगी।

6 आमदनी कर के अग्रिम प्राप्तकलन का प्रलूप—वह प्राप्तकलन, जो निर्धारिती को अधिनियम की धारा 14 के अधीन आयकर अधिकारी को भेजना है, प्रलूप संख्यांक 3 में होगा और उसमें उपदर्शित रीति से सत्यापित किया जाएगा।

7. आयुक्त (अपील) को अपील का प्रलूप—(।) अधिनियम की धारा 18 के प्रधीन आयुक्त (अपील) को अपील प्रलूप 4 में की जाएगी और उसमें उपदर्शित रीति में सत्यापित की जाएगी।

(2) उपनियम (।) द्वारा विहित अपील के प्रलूप या अपील के आधारों पर और उसमें संलग्न सत्यापन के प्रलूप पर,—

(क) व्यष्टि की वजा में, स्वयं व्यष्टि द्वारा, व्यष्टि के भारत से अनुपस्थित होने पर, संबद्ध व्यष्टि द्वारा या उसके द्वारा इस निमित्त साम्यकत अधिकृत किए व्यक्ति द्वारा, और यदि व्यष्टि अपना काम काज करने में मानसिक रूप से असमर्थ है तो उसके संबक्षण या हम निमित्त कार्य करने के लिए मक्षम किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) किसी हिन्दू अविभक्त कुटुम्ब की वजा में कर्ता द्वारा, और यदि कर्ता भारत में अनुपस्थित है या अपना कामकाज करने में मानसिक रूप से असमर्थ है तो ऐसे कुटुम्ब के किसी अन्य वयस्क मक्षम द्वारा,

(ग) किसी कम्पनी की वजा में, उसके प्रबन्ध निवेशक द्वारा; या जहां किसी अपरिहार्य कारण से ऐसा प्रबन्धन-निवेशक विवरणी पर हस्ताक्षर करने और उसे सत्यापित करने में असमर्थ है या जहां कोई प्रबन्ध निवेशक नहीं है वहां उसके किसी निवेशक द्वारा, या जहां किसी अनिवार्यी की वजा में निर्वाचित किसी ऐसे व्यक्ति पर किया गया है जो आयकर अधिनियम की धारा 163 के प्रधीन उसका अधिकारी समझा गया है, वहां ऐसे व्यक्ति द्वारा;

(घ) किसी फर्म की वजा में, उसके प्रबन्ध भागीदार द्वारा, या जहां किसी प्राग्निधियां भाग्य से ऐसा प्रबन्ध-भागीदार विवरणी पर हस्ताक्षर करने और उसे सत्यापित करने में असमर्थ है या जहां कोई ऐसा प्रबन्ध भागीदार नहीं है उसके किसी भी भागीदार द्वारा यो व्यवस्था नहीं है,

(इ) किसी स्थानीय प्राधिकरण की वजा में उसके प्रवान अधिकारी द्वारा

(ब) किसी अन्य मामल की वजा में, मामल के किसी वक्तव्य या उसके प्रधान अधिकारी द्वारा

(छ) किसी अन्य व्यक्ति की वजा में, उस व्यक्ति या उसकी ओर से कार्य करने में मक्षम किसी व्यक्ति द्वारा ; हस्ताक्षर किया जाएगा।

8. अपील का प्रलूप और अपील प्रधिकरण को प्रत्यक्षीपों का जापन—

(।) अधिनियम की धारा 19 की उपधारा (।) या उपधारा (2) के अधीन कोई भी अपील प्रलूप सं० 5 में अपील प्रधिकरण को की जाएँ और उसमें उपदर्शित रीति से सत्यापित की जाएगी।

(2) अधिनियम की धारा 19 की उपधारा (4) के अधीन प्रत्यक्षीपों का जापन अपील प्रधिकरण को प्रलूप सं० 6 में किया जाएगा और उसमें उपदर्शित रीति से सत्यापित किया जाएगा।

9. मामल की सूचना — अधिनियम की धारा 20 की उपधारा (5) या आयकर अधिनियम की धारा 156 के अधीन मांग की सूचना ऐसा कि वह अधिनियम की धारा 24 के अधीन होटल आमदनी कर को सागू होता है, प्रलूप सं० 7 में की जाएगी।

10. प्रतिदाय दावा — (।) अधिनियम की धारा 20 की उपधारा

(4) या आयकर अधिनियम की धारा 239 के प्रधीन किसी प्रतिदाय का दावा, जैसा कि वह अधिनियम की धारा 24 के अधीन होटल आमदनी कर को सागू होता है, प्रलूप सं० 8 में किया जाएगा।

(2) उपनियम (।) के अधीन कोई दावा, दावेदार द्वारा स्वयं या सम्यकतः प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्रस्तुत किया जा सकता है या डाक द्वारा भेजा जा सकता है।

प्रलूप सं० 1

होटल आमदनी कर

(नियम 4 वेदिण)

यात्रा अधिकारी/एयरलाइन द्वारा विदेशी मुद्रा का भारतीय करेसी में सपरिचितन करके अभिप्राप्त भारतीय करेसी में होटल प्रभारों के संदर्भ

यात्रा अधिकारी/एयरलाइन का नाम

पस

*अनुशासन संख्यांक

स्थायी लेखा सं

**मैं/हम प्रमाणित करता हूँ/करते हैं—

(i) कि **मैंने/हमने विदेशी पर्यटक (पर्यटकों) की ओर से भारतीय

करेसी में

(होटल का नाम)

के बिल मं० तारीख

का संदर्भ किया है।

(ii) कि प्रबोचन संदाय, किसी प्राधिकृत व्योहारी के माध्यम से भारत में प्राप्त या सागू गई विदेशी मुद्रा का संपरिचितन करके अभिप्राप्त भारतीय करेसी में से किया गया है।

(111) कि विदेशी पर्यटक (पर्यटकों) का/क नीति अथवा व्यौरे और अन्य विशिष्टिया मही है।

- 1 सम्म/प्राची का निर्देश/नाम
- 2 विदेशी अभिकर्ता अथवा प्रेपक का नाम
- 3 प्राविक्रिया का नाम आरा पता
- 4 प्राधिकृत व्यौरों का द्वाग विदेशी मद्रा की प्राप्ति की तारख (नागोदा)।
- 5 विदेश प्रेपक पर यक्षा अभिकर्ता/एक्स्प्रेस इन के द्वाग विदेश पर मध्याम तरीय आरा रकम

म ब्राषण करता न कि म
कि हेमिशेन से यह प्रमाणात्मक द रहा है।

(पदनाम)

स्थान

नागेश्वर

इस मद के ममन विदेशी मद्रा विनियमन अधिनियम, 1973 का वारा 32 के अधीन भारतीय रिजर्व बैंक द्वाग अनदन किए गए अनुज्ञित मध्याम का उल्लेख करे।

“जा लाग न हो उम हटा दे।

प्रारूप स 2

हाटन आमदनी कर

प्रारूप स 2 प्रभार्य आमदनी की विवरणी प्राय फर कर्यालय के हाटन आमदनी कर उपाया के लिए अधिनियम 1970

नियम 5

नाम सोटे अक्षरा मे

निर्धारण वष

पता नेत्राकोन वा सम्पन्न होने व न पूर्व वष

यदि यह पुनरीक्षित विवरणी हो तो पुनरीक्षित स्थानी नवा सउदाम विवरणी के फाइल करने की नागेश्वर वनाडा

भाग 1—प्रभार्य आमदनी का विवरण

1 ऐसे सभी प्रभारी की कुल रकम जा होटल का ऐसा कारबाह करने के अनकम में निर्भरती वा, वाम सुविधा, खाद्य देय या अत्य सेवाओं या उनमे मे किसी के सम्बन्ध म प्राप्त होती है (इसके अन्तर्गत उन व्यक्तियों से लिए गए ऐसे प्रभार भी है जिनके लिए ऐसी वाम सुविधा की व्यवस्था नहीं की गई है) और एक प्राप्त अन्तर्गत एसी रकम भी है जो निर्भरता न हाटन आमदनी कर विक्रय कर मनोरजन कर और विनाम वस्तुओं पर कर के रूप मे संगृहीत की है।

2 वनाडा

रू.

(1) किसी पूर्वतर पूर्व वष म हाटन आमदनी के सम्बन्ध म प्रभार्य विवरणी की रकम और ऐसी रकम जो पूर्व वर्ती वर्ष के दौरान इत्रा करण वन रही है।

(2) पूर्वतर वष के प्रभार आदमता म ममिलित किही प्रभार की वाम विवरणी कर नमोरात्मक या विनाम वस्तुओं पर नक के रूप म सदैय रकम (निर्दिष्ट करा का विशिष्टिया दणान वाता विवरण मलगत करे)।

(3) अधिनियम के अधीन प्रभार वाटन आमदनी कर की रकम।

(4) प्रभार अमदनी (जा दम का व निकलनम गुणज म पर्याकित हारी—आवारु अधिनियम 1961 की प्रा १९६१ जा हाटन आमदनी कर अधिनियम की भाग ११ डाग। हाटन आमदनी कर का लाभ होती है)।

भाग 2—कर वा विवरण

प्रभार्य आमदनी पर कर

(प्रभार्य आमदनी पर फर के समान दणान वाला विवरण मलगत करे)

पूर्व-निर्धारण कर

(क) अधिम कर
(वालान मलगत कर)
सदाय की नागेश्वर कर

रू.

—

(ख) स्वत निर्धारण

(वालान सतमन कर)
सदाय की न नीय

रू.

रू.

(क) और (ख) का याग

रू.

मात्र 3—अन्य राजिया जा प्रसाध आमदनी म निर्मिलित नहा त्र और जिनके कर्गदेय न हात का दावा किया गया है

विशिष्टिया रकम किन करणा मे रू. रकम नहीं है

सत्यापन

म (प्राप्त नाम स्पष्ट त्र ग मात्रे)
म नाम युव/प्रवी/गती है।
और (हाटन का नाम) का ह सत्यापिता पूर्वा बोषणा करता
(पदन म)

ह कि इस विवरणी में वह गई जानकारी और इसमें मंसून विवरण मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विद्याम के अनुसार महीं और पूर्ण है और यह कि उसमें व्यक्ति प्रायार्थ आमदनों की रकम और अन्य किंवितिया महीं रूप से कथित और उनका मस्तक्य उस पूर्व वर्ष से है जो 1 अर्धीन 14 में आगे न होने वाले विवरण वर्ष के लिए सुसंगत है।

मेरे मस्तक्या पूर्वक यह भी घोषणा करता है कि उस पूर्व वर्ष के दौरान होटल की कोई अन्य प्रायार्थ आमदना प्राप्त नहीं हुई है या प्रोद्भूत या उद्भूत नहीं हुई है।

मेरे अन्य भी घोषणा करता है कि मैं (पदनाम) की वैमित में होटल की ओर मेरे इस विवरणी का देने और इसका गत्यापन करने के लिए मत्तम है।

(हस्ताक्षर)

नामांकन

स्थान

गत्यापन

1 इस विवरणी पर—

(क) डिप्टी की दशा में, मत्तम अवधिकारी द्वारा व्यक्ति के भारत मेरे प्रतिवेदन हात पर, गबड़ डिप्टी द्वारा या उसके द्वारा इस विवरणी मस्तक्या प्रायिकता किसी व्यक्ति द्वारा, और यदि इस प्राप्त, काम-काज करने में मानविक रूप से अप्रमर्थ है तो उसके मद्दत्त या इस विवरणी कार्य करने के लिए मत्तम किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) किसी हिन्दू प्रविष्टि कुटुम्ब की दशा में कर्ता द्वारा और यदि कर्ता भारत मेरे प्रतिवेदन है या अपना काम काज करने में मानविक रूप से अप्रमर्थ है तो ऐसे कुटुम्ब के किसी अन्य वयस्क मद्दत्त द्वारा;

(ग) किसी कम्पनी की दशा में, उसके प्रबन्ध निदेशक द्वारा या जहां किसी अपरिहार्य कारण से ऐसा प्रबन्ध निदेशक विवरणी पर हस्ताक्षर करने और उसे गत्यापन करने में अप्रमर्थ है या जहां कोई प्रबन्ध निदेशक नहीं है, वहां उसके किसी निदेशक द्वारा, या जहां किसी अनिवासी की दशा में निर्धारण किसी ऐसे व्यक्ति पर किया गया है जो आयकर अधिनियम की धारा 163 के अधीन उसका अधिकतरा समझा गया है, वहां ऐसे व्यक्ति द्वारा;

(घ) किसी फर्म की दशा में, उसके प्रबन्ध भागीदार द्वारा, या जहां किसी अपरिहार्य कारण से ऐसा प्रबन्धक-भागीदार विवरणी पर हस्ताक्षर करने और उसे गत्यापन करने में अप्रमर्थ है या जहां कोई ऐसा प्रबन्ध-भागीदार नहीं है उसके किसी भी भागीदार द्वारा जो अवधारणा नहीं है।

(इ) किसी स्थानीय प्राधिकरण की दशा में, उसके प्रधान अधिकारी द्वारा;

(ख) किसी अन्य संगम की दशा में, मत्तम के किसी भद्रम्य या उसके प्रधान अधिकारी द्वारा;

(छ) किसी अन्य व्यक्ति की दशा में, उस व्यक्ति या उसकी ओर में कार्य करने से सक्षम किसी व्यक्ति द्वारा;

हस्ताक्षर किया जाएगा।

उ गत्यापन पर हस्ताक्षर करने से पूर्व, हस्ताक्षर कर्ता को अपना गमाधारन वर लेना चाहिए कि यह विवरणी तथा इसके साथ मंसून विवरण सब प्रकार से सही और पूर्ण है। इस विवरणी तथा इसके साथ मंसून विवरणों

में मिथ्या कथन करने वाला व्यक्ति होटल आमदनी कर अधिनियम, 1980 की वारा 14 के अधीन अविवाजित किया जा सकेगा और शंखमिहि पर।

(i) उम मामले में जहां एक हजार रुपए से अधिक के कर का प्रपद्धत किया जाता है कटोर कारबाह में जिसकी अवधि छह मास से कम नहीं होती किन्तु जो मात्र वर्ष तक वही हो सकेगी और जुर्माने से इष्टनीय होगा,

(ii) किसी अन्य मामले में, कटोर कारबाह में जिसकी अवधि तीन मास से कम नहीं होती किन्तु जो तीन वर्ष तक की हो सकेगी और जुर्माने से इष्टनीय होगा।

3.2 जो लागू न हो उसे हटा दे।

4. यदि इस विवरणी के आधार वर अदेय होटल आमदनी कर अधिनियम स्पष्ट से सदृश होटल आमदनी कर की रकम से अधिक है तो विवरणी देने के पूर्व होटल आमदनी कर की ऐसी अधिक रकम मद्दत कर दी जानी चाहिए और सदाय का मबूल इसके साथ मंसून होना चाहिए।

प्रकल्प सं. 3

होटल आमदनी कर

(नियम 6 देखिए)

..... को समाप्त होने वाली अवधि की बाबत होटल-आमदनी अधिनियम, 1980 की वारा 14 के अधीन अधिनियम स्पष्ट से सदैय होटल-आमदनी कर का प्राक्कलन

निर्धारिती का नाम
वैमित
पता
स्थायी जाता सू
समाप्ति/अनिवासी है
को समाप्त होने वाले प्रवधि (जो
को समाप्त होने वाले पूर्व वर्ष की प्रधम/विरीथ छापाई है) के लिए उपर नामित निर्धारिती द्वारा अधिस रूप से सदैय होटल-आमदनी कर मिम्मलियित रूप में प्रावक्तिव किया जाता है।

1. होटल कारबाह व्यवस्था के दीगत वास-सुविधा, भोजन, खाली, पेय और शर्य मेवात्रों या उनमें से किसी की व्यवस्था करने के सम्बन्ध में निर्धारिती द्वारा प्राप्त या उसको प्रोद्भूत या उद्भूत होने वाले सभी प्रभारों की (जिसमें ऐसे व्यक्तियों में लिए गए प्रभार भी सम्मिलित हैं, जिनके लिए ऐसी वास-सुविधा की व्यवस्था नहीं की गई है) कुल रकम, जिसमें निर्धारिती द्वारा होटल-आमदनी कर, विवरण कर, मनोरंजन कर और विलास-बस्तुओं पर कार के रूप में संप्रहार रकम भी सम्मिलित हैं।

2. गत्यापन :—

(i) किसी पूर्व वर्ष से होटल-आमदनी कर से प्रभारित प्रभार्य आमदनी की ऐसी रकम, जो पूर्व वर्ष के दीरान द्या अर्ह बन गई है;

(ii) पूर्व वर्ष की प्रभार्य आमदनी में सम्मिलित किसी प्रभारों की व्यवस्था विवरण कर, मनोरंजन कर या विलास-बस्तुओं पर कर के रूप में सदैय रकम (विदिष्ट कारों की विधि-विधाय व्यक्ति करने हुए एक विवरण मंसून करें)।

(3) अधिनियम के प्रधीन प्रभार्य हाटल आमदनी रर आरक्षम।

3 प्रभार्य आमदनी (दस रुपये र निकटनम गुणज तक यथा पूर्णांकित हाटल-आमदनी रर अधिनियम 1950 की वारा 21 दारा हाटल-आमदनी रर यथा लान ती रुप अप्र-कर मर्मिनियम 1961 की वारा 25)।

1 हाटल-आमदनी रर अधिनियम मदाय त निवार्य प्रधीन प्रधीनी पर प्रभार्य हाटल-आमदनी रर।

प्राक्कलन कम्ब वाल वक्ता कहनाथर

स्थान

तारीख

स यापन

हाम,
जा
(हाटल का नाम)
हाने के नान मत्यनिटा म वापिन करता त ति जो कुछ भी ऊपर रखित किया गया ह वह सर्व गवानिम जानकारी और विश्वास त अनमार मही है।

(प्रभार्य का नाम)
वा पुत्र/पुत्री/पत्नी व
(पदाधिकार)

हस्ताक्षर

मवा म,

प्राय-कर अधिकारी

टिप्पणी

1 अग्रिम रूप म मदय हाटल-आमदनी कर क प्राक्कलन पर निर्धारित दारा, या किसी अतिवासी की दशा मे, जहा किसी वक्ता का आय-कर अधिनियम, 1961 की वारा 163 क अधीन उमका अभिकर्ता माना गया ह, वहा ऐसे व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किया जाए।

2 "जो गद्द लाय त हो, उहे तहे हटा दे।

प्रका स० 4

हाटल-आमदनी रर

(निम्न 7 दखिए)

हाटल-आमदनी रर अधिनियम, 1950 की वारा 16 क प्रधान आय-कर आयुका (अपील) का अनोन।

प्रयुक्त (अपील) ला परिवारन

19—19—का मधाक

1 अपीलार्थी का नाम और पता ।

2 स्थायी खाला स० 1

3 वह निर्धारण वर्ष जिसक मवध मे अपील की गई है।

4 जिस आदेय के विरुद्ध अपील की गई है, ज्ये परित उन्हे वाला आय-कर अधिकारी ।

5 हाटल-आमदनी रर अधिनियम 1950 का वह वारा और उपराग, जिसके अधीन आय-कर अधिकारी न वह आदेय परिण किया था, जिसके विरुद्ध अपील की गई ह त वहा परे आदेय की नारीय।

6 जहा अपाल किसी निर्धारण वा जामि या जुमान के मवध मे, वहा सुमन: मा-पूर्वक वा उमान को नारीय।

7 किसी अन्य मामत मे, उन आदेय के वृत्ति का नामोन वा नारीय, जिसके विरुद्ध अपील की गई है।

8 अपाल म द गाड़ा अनुताप।

9 वा पता जिस पर प्राक्कलनी का गुरार मजा जा सहा हस्ताक्षरित
(अपीलर्वी)

नव्या का वयन

"प्राप्ति के आगाम

हस्ताक्षरित
(प्राक्कलन)

नामांकन

मे— अपालार्थी, वापिन करना ह वि जो कुछ सा ऊर रखा दिया गया ह वह मेरे भवनिम जान और विश्वास के अनुदर मरा ह।

स्थान—

हस्ताक्षरित

तारीख—

(अपीलार्थी)

टिप्पण 1 अपाल के प्रवर, अपाल र आदार और उमन उपबद्ध मत्यापन के प्रला पर निम्न 7 (2) के उपबन्धके अनु-सरण म किसी वक्ता द्वारा हस्ताक्षर किया जान चाहिए। अपाल ना यह जान, तथा के करन और अपील क आदार, दो प्रभान मे होन चाहिए और उनके मवध उम आदेय की एक प्रति, जिसके विरुद्ध अपील की गई ह तथा मूल माम-सुचना, यदि कोई हा, हानी चाहिए।

2 जा जवद लाग्न हा उन्हे हटा द।

3 दन विशिष्टिया वा पूनि, आयुक्त (अपील) के कार्यालय मे की जाएगी।

4 यदि यहा दिया गया स्थान अपर्याप्त ह ता इस प्रयाजन के लिए पश्चक अन्तर्नका ता प्रयाज दिया जा सकता है।

प्रत्य स० 5

हाटल आमदनी रर

[निम्न (1) देखिए]

अपील अधिकारण का अपील का प्रत्य

—अय ऊर अपील अधिकारण म

19—19—की अपील स०—

अपीलार्थी प्रत्यर्थी

1 वह गज्य जिसमे निर्धारण किया गया था।

2 उन वारा जिसके अपील रर आदेय, जिसके विरुद्ध अपील की गई पाई गया था।

3 वह निर्धारण वर्ष जिसमे मवन्ध मे अपील की गई है।

1. मुख्य आदेश पारित करने वाला *** आय-कर अधिकारी।
2. होटल आमदानी कर अधिनियम, 1980 की धारा ४८ और उत्तरार्द्ध जिसके अधीन आय-कर अधिकारी ने अदेश पारित किया।
3. अधिनियम की धारा 15/18 आय-कर अधिनियम की धारा 131(2) के जैसे कि होटल आमदानी कर अधिनियम, 1980 की धारा २१ द्वारा होटल आमदानी कर का लागू है, अपील आदेश पारित करने वाला *** आयकर (अपील)।
4. अधिनियम की धारा २२ के अधीन आदेश पारित करने वाला *** आयकर।
5. उम्मीदेश की, जिसके विरुद्ध अपील की गई, समूचतः का जारी।
6. वह पता, जिस पर अपीलार्थी का सूचनाएँ भेजा जाएगा।
7. वह पता, जिस पर प्रस्तुती का सूचनाएँ भेजा जाएगा।
8. उम्मीदेश की, जिसके विरुद्ध अपील की गई, समूचतः का जारी।
9. वह पता, जिस पर अपीलार्थी का सूचनाएँ भेजा जाएगा।
10. वह पता, जिस पर प्रस्तुती का सूचनाएँ भेजा जाएगा।
11. अपील में दावाकृष्ट (वि) अनुत्तीव

ह०/-

(अपील के आधार)

(अपीलार्थी)

ह०/-

(प्राधिकृत प्रतिनिधि,
यदि कोई हो)

ह०/-

(अपीलार्थी)

सत्यापन

मेरी अपील के आधार में दावाकृष्ट, यह दोषणा करता है कि ऊपर जो कुछ कथित है, मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विषयाम के अनुसार मही है।

प्राप्ति, तारीख 19 को सत्यापित।

ह०/-

(अपीलार्थी)

टिप्पणी

1. अपील का ज्ञापन तीन प्रतियों में होना चाहिए और उसके साथ उम्मीदेश की, जिस के विरुद्ध अपील की गई है, वो प्रतियों (जिसमें से कम से कम एक प्रमाणित प्रति होने चाहिए) तथा आय-कर अधिकारी के सुरक्षित आदेश की बीच प्रतियों होनी चाहिए।

2. निर्धारिती द्वारा अधिनियम की धारा 19(1) के अधीन किसी अपील के मामले में अपील के ज्ञापन के साथ एक सौ पचास सप्ताह की काला अवधि होनी चाहिए। यह सुनाव दिया जाता है कि कीम आय-कर अधिकारी से जालान प्राप्त करने के बाबत भारतीय स्टेट बैंक की किसी शास्त्रा या भारतीय रिजर्व बैंक की किसी शास्त्रा या प्रायिकृत बैंक की किसी शास्त्रा में जमा की जानी चाहिए, और जालान की तीसरी प्रति अपील के ज्ञापन के साथ अपील अधिकरण को भेजी जानी चाहिए। अपील अधिकरण बैंक, इंपोर्ट, हूँडी या अन्य परकार्य विभान स्वीकार नहीं करेगा।

3. अपील का ज्ञापन अपेजी में लिखा जाना चाहिए, या यदि अपील किसी ऐसे राज्य में स्थित किसी पीठ में, जो कि अपील अधिकरण के अध्यक्ष द्वारा आय-कर (अपील अधिकरण) नियम, 1963 के नियम ५के प्रयोजनों के लिए नत्समय अधिसूचित की जाती है, फाइल की जाती है, तो अपीलार्थी के विकल्प पर हिन्दी में और अपील के अध्यक्ष विभान किसी तरफ या विवरण के सुचिन गीर्वकों के नीचे संकेत में लिए जाने चाहिए और ऐसे आधारों की कमानुसार संक्षेपित करना चाहिए।

4. **प्रीवीज का संबोध और वर्ष अपील अधिकरण के कार्यान्वय में भरा जाएगा।

5. **जो सदै लागू न हो उसके हटा दें।

6. (व्युत्पत्ति यहां दिया गया व्याप्ति प्रायोजन है ताकि इस प्रयोजन के लिए पृथक अनुबंधों का प्रयोग किया जा सकता है।

प्रत्येक सं० ६

होटल आमदानी कर

[नियम 8(2) देखिए]

प्रीवीज अधिकरण के प्रत्यक्षेषों के ज्ञापन के प्रकार—
प्राय-कर अपील अधिकरण में * 19
* 19 के प्रत्यक्षण म० * 19
* 19 की प्रीवीज म० * 19 में

बताया

अपीलार्थी प्र-रद्दी

1. अधिकरण द्वारा अवृद्धि ** अपील म० जिसमें प्रत्यक्षेषों के ज्ञापन सम्बन्धित है।

2. वह राज्य जिसमें निर्धारण किया गया था।

3. वह धारा और उप-धारा जिसके अधीन वह अदेश, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, पालित किया गया था।

4. वह निर्धारण वर्ष जिसमें सन्दर्भ में प्रदानीर्थी का ज्ञापन दिया गया है।

5. अपीलार्थी द्वारा अधिकरण को फाइल की गई अपील की सूचना की प्राप्ति की जारी रखा।

6. वह पता जिस पर प्रस्तुती की सूचनाएँ भेजी जाएँगी (प्रत्यक्षण)

7. वह पता जिस पर अपीलार्थी की सूचनाएँ भेजी जाएँगी।

8. प्रत्यक्षेषों के ज्ञापन में दावाकृष्ट अनुत्तीव प्रस्तुति के आधार।

ह०/- (प्राधिकृत प्रतिनिधि, यदि कोई हो) (प्रस्तुती)

सत्यापन

मेरी अपील के आधार में दावाकृष्ट योग्यता करता है कि ऊपर जो कुछ कथित है, मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विषयाम के अनुसार मही है।

प्राप्ति, 19 को सत्यापित।

ह०/-

टिप्पणी

1. प्रस्तुतेषों का ज्ञापन तीन प्रतियों में होगा।

2. प्रस्तुतेषों का ज्ञापन अप्रेजी में या, यदि ज्ञापन किसी ऐसे राज्य में स्थित किसी पीठ में, जो कि अपील अधिकरण के अध्यक्ष द्वारा आय-कर (अपील अधिकरण) नियम, 1963 के नियम ५के प्रयोजनों के लिए नत्समय अधिसूचित की जाती है, फाइल की जाती है, तो प्रत्यक्षी के विकल्प पर हिन्दी में लिखा जाना चाहिए और अपील के अध्यक्ष विभान किसी तरफ या विवरण के सुचिन गीर्वकों के नीचे संकेत में लिए जाने चाहिए। और ऐसे आधारों की कमानुसार संक्षेपित करना चाहिए।

3. *प्रत्योक्त्रों के आपस का संबोध और वह अपेक्षितरण के कार्यालय में भग्न जाएगा।

4.** प्रधिकरण के कार्यालय में अपेक्षित पर दिया गया भव्यात्मक और वर्ष, जो प्रत्यर्थी द्वारा प्राप्त अपील की मूलता में है, प्रत्यर्थी द्वारा यहां भग्न जाएगा।

5. परंपरा दिया गया स्वान आवारण है तो इस प्रयोजन के लिए प्रत्यक्ष अवश्यकता का प्रयोग किया जा सकता है।

प्रबन्ध सं० ७

होटल-आमदानी कर
(नियम ९ शेषों)

होटल आमदानी कर प्रधिनियम, 1980 की धारा 20(5)/प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 156 के, जैसो कि होटल आमदानी कर प्रधिनियम, 1980 की धारा 24 द्वारा होटल आमदानी कर को लागू है, प्रधीन मार्ग की मूलता।

सेवा में

स्थायी सेवा सं० -----

आपको यह मूलता दी जाती है कि निर्धारण वर्ष----- के लिए -----रु० की रकम, जिसका विवरण पार्वत पर दिया गया है, आपके द्वारा संरेय प्रवाहारित की गई है।

2. यह रकम उस मूलता की ताथीत से-----35 दिन/-----दिन के भीतर प्रबन्धक, भारतीय स्टेट ईन/भारतीय रिजर्व बैंक/प्राधिकृत बैंक, -----में संदर्भ को जानी चाहिए। उपर्युक्त रकम के 35 दिन से कम की प्रवधि के भीतर संवाय की मनुष्या देने के लिए सहायक प्रायुक्त (निरीक्षण) का पूर्वानुमोदन अधिप्राप्त कर दिया गया है। संवाय के प्रयोजन के लिए एक जामान संलग्न है।

3. यदि आप ऊपर विनियिष्ट प्रवधि के भीतर राशि का संदाय नहीं करते, तो आप पर, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 220(2) के अनुसार, जैसे कि वह होटल आमदानी कर प्रधिनियम, 1980 की धारा 24 द्वारा होटल आमदानी कर को लागू है, पूर्वोक्त प्रवधि की समाप्ति के पश्चात् प्रारम्भ होने वाली तारीख से बारह अतिशय प्रतिवर्ष की दर से साधारण व्याज का संदाय करने के दावों होंगे।

4. यदि आप ऊपर विनियिष्ट प्रवधि के भीतर कर की रकम का संदाय नहीं करते तो आप पर, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 221 के अनुसार, जैसे कि वह होटल आमदानी कर प्रधिनियम, 1980 की धारा 24 द्वारा होटल आमदानी कर को लागू है, आपको सुनार्ह का युक्तियुक्त अवसर देने के पश्चात् जामिति प्रधिरोधित भी जा सकती है जो उसनी हो सकती है जिसनी कर की बकाया रकम है।

5. यदि आप ऊपर विनियिष्ट प्रवधि के भीतर रकम का संदाय नहीं करते तो प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 222 से 227, 229, 231, 232 और हितीय अनुसूची और तत्त्वीय अनुसूची के अनुसार, जैसे कि वह होटल आमदानी कर प्रधिनियम, 1980 की धारा 24 द्वारा होटल आमदानी कर को लागू है, उसकी बस्ती के लिए फार्यावाही की जाएगी।

6. यदि आप निर्धारण/जूमलि/शास्ति के विशेष अपील करना चाहते हैं तो आप होटल आमदानी कर प्रधिनियम, 1980 की धारा 18 के अधीन, प्रायकर प्रायुक्त (अपील

हस्ताना की प्राप्ति की तारीख से तीस दिन के भीतर प्रकल्प सं० ३ में, उस प्रक्षय में प्रधिकारित रूप से सम्पन्न समाप्ति कर के प्राप्ति कर सकते हैं।

स्थान ----- श्रावण अधिकारी
तारीख ----- परा -----
टिप्पण -

1. यदि आप बैंक द्वारा राशि का संदाय करना चाहते हैं तो बैंक भारतीय स्टेट बैंक/भारतीय रिजर्व बैंक/प्राधिकृत बैंक के प्रबन्धक के नाम में होना चाहिए।

2. यदि आप राशि के संदाय के लिए समय बढ़ाना चाहते हैं तो, यथाविधि, ऐसे समय बढ़ाने या किसी द्वारा संवाय की मनुष्या के लिए आवेदन प्रायकर प्रधिकारी को पैरा 2 से विनियिष्ट प्रवधि की समाप्ति से पूर्व किया जाना चाहिए। उक्त प्रवधि की समाप्ति के पश्चात् प्राप्त हुई किसी प्राप्तिना पर, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 220(3) में जैसे होटल आमदानी का प्रधिनियम, 1980 की धारा 24 द्वारा होटल आमदानी कर को लागू है, विनियिष्ट उपबन्धों को ध्यान में रखते हुए विचार नहीं किया जाएगा।

3. जो समय लागू न हो उसे हटा दे।

प्रबन्ध सं० ८

होटल-आमदानी कर
(नियम 10 (1) शेषांग)

होटल-आमदानी कर के प्रतिवार का वाचा

मैं, ----- (होटल का नाम) ----- का स्थायी यह करित करता हूँ कि ----- को समाप्त होने वाले वर्ष के दौरान जो ----- के प्रथम अप्रैल से प्रारम्भ होने वाले निर्धारण वर्ष का पूर्ववर्ष है, ----- (होटल का नाम) होटल आमदानी कर प्रधिनियम, 1980 के उपबन्धों के अनुमरण में सम्पन्न प्राप्तियां आमदानी -----रु० हुई; ऐसी प्राप्तियां आमदानी को बाबत प्रभावी होटल आमदानी कर -----रु० है और उपरोक्त निर्धारण वर्ष की बाबत संतत होटल-आमदानी कर की रकम -----रु० है।

परा, मैं -----रु० के प्रतिवार के लिए निवेदन करता हूँ।

स्थान-----

(हस्ताक्षर)

तारीख -----

मैं, घोषित करता हूँ कि पूर्व नामित होटल निर्धारण वर्ष से, जिससे इस शब्द का सम्बन्ध है, मुसंगत पूर्ववर्ष के दौरान निवासी/अनिवासी वा और जो कुछ इस आवेदन में करित किया गया है वह मही है।

(हस्ताक्षर)

टिप्पण * जो समय लागू न हो उसे हटा दे।

[3828/एक० सं० 143(1)/81-टॉ० पी० एक०]

एस० एम० ज्ञेये, छप संकिळ (दी भी एम०)

MINISTRY OF FINANCE

(Dept. of Revenue)

Central Board of Direct Taxes

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st, January 1981

The Hotel-Receipts Tax Rules, 1981

S.O. 81(E).—In exercise of the powers conferred by section 34 of the Hotel-Receipts Tax Act, 1980 (54 of 1980), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules, namely :

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Hotel-Receipts Tax Rules, 1981.

(2) They shall come into force on the 1st day of February, 1981.

2. Definitions.—(1) In these rules, unless the context otherwise requires, “the Act” means the Hotel-Receipts Tax Act, 1980 (54 of 1980).

(2) All references to “Forms” in these rules shall be construed as references to the forms set out in the Appendix hereto.

3. Determination of room charges in the ease of composite charge.—For the purposes of sub-section (2) of section 3 of the Act, in a case where a composite charge is payable in respect of residential accommodation and food, the room charges included therein shall be determined by deducting from the composite charge, the charges for food in the following manner, namely :—

(i) where the composite charge includes the charge for breakfast	10 per cent. of the composite charge;
(ii) where the composite charge includes the charge for breakfast and one meal	25 per cent. of the composite charge;
(iii) where the composite charge includes the charge for breakfast and two meals	40 per cent. of the composite charge.

4. Charges received in Indian currency deemed to have been received in foreign exchange.—For the purposes of clause (a) of the Explanation to sub-section (1) of section 5, the charges received in Indian currency obtained by conversion of foreign exchange into Indian currency shall be deemed to have been received in foreign exchange in the cases and in the circumstances mentioned below :—

(i) where the payment in respect of the chargeable receipts of a hotel has been made out of Indian currency obtained by conversion of foreign exchange brought into India through an authorised dealer by a travel agent on behalf of a foreign tourist or group of foreign tourists;

(ii) where the payment in respect of the chargeable receipts of the hotel has been made in the manner referred to in clause (i), by an airline on behalf of a foreign tourist or a group of foreign tourists :

Provided that the travel agent or, as the case may be, the airline furnishes to the hotel a certificate in Form No. 1 at the time of payment of the charges.

Explanation.—For the purpose of this rule,—

(i) “airline” and “travel agent” respectively mean an airline or travel agent which holds a valid licence granted under section 32 of the Foreign Exchange Regulation Act, 1973 (46 of 1973) by the Reserve Bank of India.

(ii) “authorised dealer” shall have the meaning assigned to it in clause (b) of section 2 of the Foreign Exchange Regulation Act, 1973. (46 of 1973).

5. Form of return of chargeable receipts under section 8.—The return of chargeable receipts required to be furnished under sub-section (1) or sub-section (2) of section 8 of the Act shall be in Form No. 2 and shall be verified in the manner indicated therein.

6. Form of estimate of advance tax.—The estimate which an assessee has to send to the Income-tax Officer under section 14 of the Act shall be in Form No. 3 and shall be verified in the manner indicated therein.

7. Form of appeal to the Commissioner (Appeals).—(1) An appeal under section 18 of the Act to the Commissioner (Appeals) shall be made in Form No. 4 and shall be verified in the manner indicated therein.

(2) The form of appeal prescribed by sub-rule (1), the grounds of appeal and the form of verification appended thereto shall be signed—

- (a) in the case of an individual, by the individual himself, where the individual is absent from India, by the individual concerned or by some person duly authorised by him in this behalf; and where the individual is mentally incapacitated from attending to his affairs, by his guardian or by any other person competent to act on his behalf;
- (b) in the case of a Hindu undivided family, by the karta, and where the karta is absent from India or is mentally incapacitated from attending to his affairs, by any other adult member of such family;
- (c) in the case of a company, by the managing director thereof, or where for any unavoidable reason such managing director is not able to sign and verify the return, or where there is no managing director, by any director thereof or where in the ease of a non-resident, the assessment has been made on any person who has been treated as his agent under section 163 of the Income-tax Act, by such person;
- (d) in the case of a firm, by the managing partner thereof, or where for any unavoidable reason such managing partner is not able to sign and verify the return, or where there is no managing partner as such, by any partner thereof, not being a minor;
- (e) in the case of a local authority, by the principal officer thereof;
- (f) in the case of any other association, by any member of the association or the principal officer thereof; and
- (g) in the case of any other person, by that person or by some person competent to act on his behalf.

8. Form of appeal and memorandum of cross-objection to Appellate Tribunal.—(1) An appeal under sub-section (1) or sub-section (2) of section 19 of the Act to the Appellate Tribunal shall be made in Form No. 5 and shall be verified in the manner indicated therein.

(2) A memorandum of cross-objection under sub-section (4) of section 19 of the Act to the Appellate Tribunal shall be made in Form No. 6 and shall be verified in the manner indicated therein.

9. Notice of demand.—The notice of demand under sub-section (5) of section 20 of the Act or under section 156 of the Income-tax Act, as applied to hotel-receipts tax under section 24 of the Act shall be made in Form No. 7.

10. Refund claim.—(1) A claim for a refund under sub-section (4) of section 20 or under section 239 of the Income-tax Act, as applied to hotel-receipts tax under section 24 of the Act shall be made in Form No.8.

(2) A claim under sub-rule (1) may be presented by the claimant in person or through a duly authorised agent or may be sent by post.

APPENDIX

FORM NO. 1

HOTEL-RECEIPTS TAX

(See rule 4)

Certificate of payment of hotel charges by travel agent/airline in Indian currency obtained by conversion of foreign exchange into Indian currency.

Name of the travel agent/airline Address

*Licence Number Permanent Account No.

**I/We hereby certify :

(i) that **I/We have paid Bill No. of dated (name of hotel)

on behalf of foreign tourist(s) in Indian currency :

(ii) that the aforesaid payment has been made out of Indian currency obtained by conversion of foreign exchange received in or brought into India through an authorised dealer;

(iii) that the details of foreign tourist(s) and other particulars stated below are correct :

1. Reference/name of the group/traveller.
2. Name of the foreign agent, i.e., remitter.
3. Name and address of the authorised dealer.
4. Date(s) of receipt of foreign exchange by the authorised dealer.
5. No, date and the amount of the bill of claim of the travel agent/airline on the overseas remitter.

I hereby declare that I am giving this certificate in my capacity as.....

(designation)

(Signature)

Place

Date

*Licence number granted by the Reserve Bank of India under section 32 of the Foreign Exchange Regulation Act, 1973 should be mentioned against this item.

**Delete whichever is not applicable.

FORM NO. 2

HOTEL-RECEIPTS TAX

Form No.2 RETURN OF CHARGEABLE RECEIPTS For use in Income-tax Office
HOTEL-RECEIPTS TAX ACT, 1980
RULE 5

Name in block letters Assessment year

Address Telephone Previous year ended on

If this is a revised return, please state the date of filing the previous return Permanent Account Number

State Whether resident or non-resident

PART I : STATEMENT OF CHARGEABLE RECEIPTS

1. Total amount of all charges received by, or accruing or arising to, the assessee in connection with the provision of residential accommodation, food, drink and other services or any of them (including such charges from persons not provided with such accommodation) in the course of carrying on the business of a hotel including amounts collected by the assessee by way of hotel-receipts tax, sales-tax, entertainment tax and tax on luxuries. Rs.

2. Less :

- (i) Amount of chargeable receipts charged to hotel-receipts tax in any earlier previous year and which has become a bad debt during the previous year;
- (ii) Amount payable by way of sales-tax, entertainment tax or tax on luxuries in respect of any charges included in the chargeable receipts of the previous year (Attach a statement showing particulars of the taxes referred);
- (iii) Amount of hotel-receipts tax chargeable under the Act.

3. Chargeable receipts (as rounded off to the nearest multiple of ten rupees—section 288A of the Income-tax Act, 1961, as applied to hotel-receipts tax by section 24 of the Hotel-Receipts Tax Act, 1980).

PART II : STATEMENT OF TAXES

TAX ON CHARGEABLE RECEIPTS.

(Attach a statement showing the computation of tax on chargeable receipts)

PRE-ASSESSMENT TAXES

A. ADVANCE TAX

(Attach chalans)

Date of payment. Amount

.....

.....

Total Rs. .

B. TAX ON SELF ASSESSMENT

(Attach Chalan)

Date of payment. Amount

.....

Rs.

TOTAL OF A AND B Rs.

PART III : OTHER SUMS NOT INCLUDED IN CHARGEABLE RECEIPTS AND CLAIMED TO BE NOT TAXABLE

Particulars	Amount	Reasons why not taxable. Rs.
.....

VERIFICATION

I,.....[Name in full and in block letters] *son/daughter/wife of.....being the.....of.....

(designation) (Name of the hotel)

solemnly declare that to the best of my knowledge and belief the information given in this return and the statements accompanying it is correct and complete and that the amount of chargeable receipts and other particulars shown therein are truly stated and relate to the previous year relevant to the assessment year commencing on the 1st day of April, 19.....

I further solemnly declare that during the said previous year no other chargeable receipts accrued or arose to or was received by the hotel.

I further declare that in my capacity as.....
(designation)

I am competent to make this return and verify it on behalf of the hotel.

.....
(Signature)

Date

Place.....

Notes :

1. This return should be signed by—

- in the case of an individual, by the individual himself; where the individual is absent from India, by the individual concerned or by some person duly authorised by him in this behalf; and where the individual is mentally incapacitated from attending to his affairs, by his guardian or by any other person competent to act on his behalf;
- in the case of a Hindu undivided family, by the Karta, and, where the Karta is absent from India or is mentally incapacitated from attending to his affairs, by any other adult member of such family;
- in the case of a company, by the managing director thereof, or where for any unavoidable reason such managing director is not able to sign and verify the return, or where there is no managing director, by any director thereof or where in the case of a non-resident, the assessment has been made on any person who has been treated as his agent under section 163 of the Income-tax Act, 1961, by such person;
- in the case of a firm, by the managing partner thereof, or where or any unavoidable reason such managing partner is not able to sign and verify the return, or where there is no managing partner as such, by any partner thereof, not being a minor;
- in the case of a local authority, by the principal officer thereof;

- in the case of any other association, by any member of the association or the principal officer thereof; and
- in the case of any other person, by that person or by some person competent to act on his behalf.

2. Before signing the verification, the signatory should satisfy himself that this return and the accompanying statements are correct and complete in all respects. Any person making a false statement in this return or the accompanying statements shall be liable to prosecution under section 29 of the Hotel-Receipts Tax Act, 1980 and on conviction be punishable—

(i) in a case where the tax sought to be evaded exceeds one lakh rupees, with rigorous imprisonment which shall not be less than six months but which may extend to seven years and with fine;

(ii) in any other case, with rigorous imprisonment which shall not be less than three months but which may extend to three years and with fine.

3. *Delete whichever is not applicable.

4. If the hotel-receipts tax payable on the basis of this return exceeds the amount of hotel-receipts tax paid in advance, such excess of hotel-receipts tax must be paid before furnishing the return and the proof of payment shall be attached.

FORM NO. 3

HOTEL-RECEIPTS TAX

[See rule 6]

Estimate of hotel-receipts tax payable in advance under section 14 of the Hotel-Receipts Tax Act, 1980, in respect of the period ending on.....

Name of the assessee

Status

Address

Permanent Account No.

Whether resident/non-resident.....

The hotel-receipts tax payable in advance by the assessee named above for the period ending on.....(being the *first/second half of the previous year ending on.....) is estimated as follows :—

1. Total amount of all charges received by, or accruing or arising, to the assessee in connection with the provision of residential accommodation, food drink and other services or any of them (including such charges from persons not provided with such accommodation) in the course of carrying on the business of a hotel including amounts collected by the assessee by way of hotel-receipts tax, sales-tax, entertainment tax and tax on luxuries. Rs.

2. Less—

(i) Amount of chargeable receipts charged to hotel-receipts tax in any earlier previous year and which has become a bad debt during the previous year ;

(ii) Amount payable by way of sales tax, entertainment tax or tax on luxuries in respect of any charges included in

- the chargeable receipts of the previous year. (Attach a statement showing particulars of the taxes referred).
- (iii) Amount of hotel-receipts tax chargeable under the Act.
3. Chargeable receipts (as rounded off to the nearest multiple of ten rupees—section 288A of the Income-tax Act, 1961, as applied to hotel-receipts tax by section 24 of the Hotel-Receipts Tax Act, 1980).
4. Hotel-receipts tax chargeable on the chargeable receipts liable to advance payment of hotel-receipts tax.

Signature of the person
making the estimate.

Place.....

Date.....

VERIFICATION

I,....., son/daughter/
[Name in full in block letters]

wife of....., being the....., of
(designation)

(name of the hotel)

do hereby solemnly declare that what is stated above is true to the best of my information and belief.

.....
(Signed)

To

The Income-tax Officer,

.....
.....
.....

Notes :

1. The estimate of hotel-receipts tax payable in advance should be signed by the assesscc, or where in the case of a non-resident, any person has been appointed as the agent under section 163 of the Income-tax Act, 1961, by such person.
2. *Delete inappropriate words."

FORM NO. 4
HOTEL-RECEIPTS TAX
[See rule 7]

Appeal to the Commissioner of Income-tax (Appeals) under section 18 of the Hotel-Receipts Tax Act, 1980.

Designation of the Commissioner (Appeals)
*No. of 19..... 19.....

1. Name and address of the appellant.

2. Permanent Account No.

3. Assessment year in connection with which the appeal is preferred.

4. Income-tax Officer passing the order appealed against.
5. Section and sub-section of the Hotel-Receipts Tax Act, 1980, under which the Income-tax Officer passed the order appealed against and the date of such order.
6. Where the appeal relates to any assessment or penalty or fine, the date of service of the relevant notice of demand.
7. In any other case, the date of service of the intimation of the order appealed against.
8. Relief claimed in appeal.
9. Address to which notices may be sent to the appellant.

Signed
(Appellant)

*Statement of facts
of Grounds of Appeal.

Signed
(Appellant)

FORM OF VERIFICATION

I,....., the appellant, do hereby declare that what is stated above is true to the best of my information and belief.

Signed
(Appellant)

Place.....

Date.....

Notes :

1. The form of appeal, grounds of appeal and form of verification appended thereto should be signed by a person in accordance with the provisions of rule 7(2). This memorandum of appeal, statement of facts and the grounds of appeal must be in duplicate and should be accompanied by copy of the order appealed against and the notice of demand in original, if any.
2. Delete inappropriate words.
3. *Those particulars will be filled in in the office of the Commissioner (Appeals).
4. @If the space provided herein is insufficient, separate enclosures may be used for the purpose.

FORM NO. 5
HOTEL-RECEIPTS TAX
[See rule 8(1)]

Form of appeal to the Appellate Tribunal

IN THE INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL.....
.....*Appeal No. of 19..... 19.....
.....versus.....
Appellant Respondent

1. The State in which the assessment was made.

2. Section under which the order appealed against was passed
 3. Assessment year in connection with which the appeal is preferred
 4. **The Income-tax Officer passing the original order
 5. *Section and sub-section of the Hotel-Receipts Tax Act, 1980, under which the Income-tax Officer passed the order.
 6. **The Commissioner (Appeals) passing the order under section 15/18 of the Act/section 131(2) of the Income-tax Act, 1961, as applied to hotel-receipts tax by section 24 of the Hotel-Receipts Tax Act, 1980
 7. **The Commissioner passing the order under section 22 of the Act
 - 8 Date of communication of the order appealed against
 - 9 Address to which notices may be sent to the appellant
 10. Address to which notices may be sent to the respondent
 11. @Relief claimed in appeal

Signed

(Appellant)

Signed

Signed
(Appell)

(Authorised representative, if any)

VERIFICATION

I, the appellant, do hereby declare that what is stated above is true to the best of my information and belief

Verified today, the day of
19

Signed
(Appellant)

NOTES

- 1 The memorandum of appeal must be in triplicate and should be accompanied by two copies (at least one of which should be a certified copy) of the order appealed against and two copies of the relevant order of the Income-tax Officer.
 2. The memorandum of appeal in the case of an appeal by an assessee under section 19(1) of the Act must be accompanied by a fee of one hundred and twenty-five rupees. It is suggested that the fee should be credited in any branch of the State Bank of India or a branch of the Reserve Bank of India or a branch of the authorised bank after obtaining the chalan from the Income-tax Officer and the triplicate chalan sent to the Appellate Tribunal with the memorandum of appeal. The Appellate Tribunal will not accept cheques, drafts, hundies or other negotiable instruments.

- 3 The memorandum of appeal should be written in English, or, if the appeal is filed in a Bench located in any such State as is for the time being notified by the President of the Appellate Tribunal for the purposes of rule 5A of the Income-Tax (Appellate Tribunal) Rules, 1963, then, at the option of the appellant, in Hindi, and should set forth, concisely and under distinct heads, the grounds of appeal without any argument or narrative and such grounds should be numbered consecutively

- 4 *The number and year of appeal will be filled in in the office of the Appellate Tribunal

5 **Delete the inapplicable items.

6 @ If the space provided is found insufficient, separate enclosures may be used for the purpose

FORM NO. 6
HOTEL-RECEIPTS TAX
(See p. 1, 262)

Form of memorandum of cross-objections to the Appellate Tribunal

IN THE INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

*Cross-objection No of 19 19 ..
 **In Appeal No of 19 19 ..
 Versus
 Appellant Respondent

- 1 **Appeal No allotted by the Tribunal to which memorandum of cross-objections relates

- ## 2 The State in which the assessment was made

- 3 Section and sub-section under which the order appealed against was passed.

4. Assessment year in connection with which the memorandum of cross-objections is preferred.

- 5 Date of receipt of notice of appeal filed by the appellant to the Tribunal

- 6 Address to which notices may be sent to the respondent (cross-objection)**

- 7 Address to which notices may be sent to the appellant

- ### 8. Beliefs claimed in the memorandum

of cross-objections †Grounds of cross-objections

Signed

Signed

(Authorised representative if any)

(Respondent)

VERIFICATION

I,....., the respondent do hereby declare that what is stated above is true to the best of my information and belief.

Verified today the.....day of.....19.....

Notes :

1. The memorandum of cross-objections must be in triplicate.
2. The memorandum of cross-objections should be written in English or, if the memorandum is filed in a Bench located in any such State as is for the time being notified by the President of the Appellate Tribunal for the purposes of rule 5A of the Income-tax (Appellate Tribunal) Rules, 1963, then, at the option of the respondent, in Hindi, and should set forth, concisely and under distinct heads, the cross-objections without any argument or narrative and such objections should be numbered consecutively.
- 3 *The number and year of memorandum of cross-objections will be filled in the office of the Appellate Tribunal.
- 4 **The number and year of appeal as allotted by the office of the Tribunal and appearing in the notice of appeal received by the respondent is to be filled in here by the respondent.
- 5 +If the space provided is insufficient, separate enclosures may be used for the purpose.

FORM NO. 7

HOTEL-RECEIPTS TAX

[See rule 9]

Notice of demand under section 20(5) of the Hotel-Receipts Tax Act, 1980/section 156 of the Income-tax Act, 1961, as applied to hotel-receipts tax by section 24 of the Hotel-Receipts Tax Act, 1980.

To

Permanent Account No.

This is to give you notice that for the assessment year..... a sum of Rs....., details of which are given on the reverse has been determined to be payable by you.

2. The amount should be paid to the Manager, State Bank of India/Reserve Bank of India/Authorised Bank at..... within 35 days/.....days of the service of this notice. The previous approval of the Inspector Assistant Commissioner has been obtained for allowing a period of less than 35 days for the payment of the above sum. A chalan is enclosed for the purpose of payment.

3. If you do not pay the amount within the period specified above, you will be liable to pay simple interest at the rate of

1279 GI/80-3

12 per cent. per annum from the date of commencement after the end of the period aforesaid in accordance with section 220(2) of the Income-tax Act, 1961, as applied to hotel-receipts tax by section 24 of the Hotel-Receipts Tax Act, 1980.

4. If you do not pay the amount of the tax within the period specified above, penalty (which may be as much as the amount of tax in arrear) may be imposed upon you after giving you a reasonable opportunity of being heard in accordance with section 221 of the Income-tax Act, 1961, as applied to hotel-receipts tax by section 24 of the Hotel-Receipts Tax Act, 1980.

5. If you do not pay the amount within the period specified above, proceedings for the recovery thereof will be taken in accordance with sections 222 to 227, 229, 231, 232 and the Second Schedule and the Third Schedule to the Income-tax Act, 1961, as applied to hotel-receipts tax by section 24 of the Hotel-Receipts Tax Act, 1980.

6. If you intend to appeal against the assessment/fine/penalty, you may present an appeal under section 18 of the Hotel-Receipts Tax Act, 1980, to the Commissioner of Income-tax (Appeals)....., within thirty days of the receipt of this notice in Form No. 4 duly verified as laid down in that Form.

Place..... Income-tax Officer

Date..... Address.....

Notes :

1. If you wish to pay the amount by cheque, the cheque should be drawn in favour of the Manager, State Bank of India/Reserve Bank of India/Authorised Bank.
2. If you intend to seek extension of time for payment of the amount or propose to make the payment by instalments, the application for such extension or, as the case may be, permission to pay by instalments, should be made to the Income-tax Officer before the expiry of the period specified in paragraph 2. Any request received after the expiry of the said period will not be entertained in view of the specific provisions of section 220(3) of the Income-tax Act, 1961, as applied to the hotel-receipts tax by section 24 of the Hotel-Receipts Tax Act, 1980.

3. Delete the inappropriate words.

FORM NO. 8

HOTEL-RECEIPTS TAX

[See rule 10(1)]

Claim for refund of hotel-receipts tax

I,..... owner of the hotel....., do hereby state that the chargeable receipts (Name of the hotel) of....., computed in accordance with (Name of the hotel) the provisions of the Hotel-Receipts Tax Act, 1980, during the

year ending on....., being the previous year for the assessment year commencing on the 1st day of April....., amounted to Rs....., that the hotel-receipts tax chargeable in respect of such chargeable receipts is Rs....., and that the amount of hotel-receipts tax paid in respect of the aforesaid assessment year is Rs....., I, therefore, request for a refund of Rs.....

I hereby declare that the above-named hotel was *resident/non-resident during the previous year relevant to the assessment year to which this claim relates and that what is stated in this application is correct.

.....
(Signature)

Notes :

*Delete inappropriate words.

Place.....

.....
(Signature)

Date.....

[3828 /F. No. 143(1)/81-TPL]

S.N. SHENDE, Secy,
Central Board of Direct Taxes